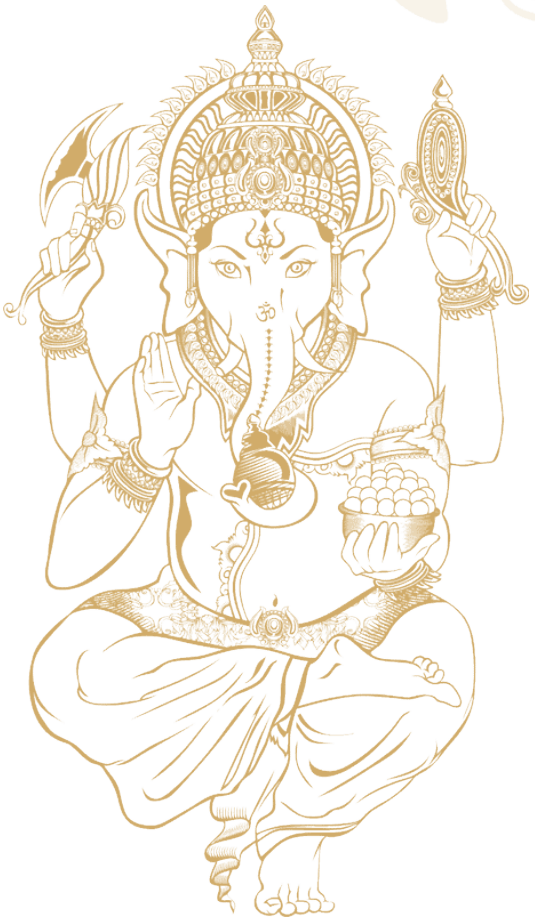

Sangita

10 Aug 1982

02:45 AM

Solapur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121598103

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**9-10/08/1982**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**02:45:00 घंटे**
इष्ट	51:34:17 घटी
स्थान	**Solapur**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	17:43:00 उत्तर
रेखांश	75:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:18:44 घंटे
वेलान्तर	-00:05:31 घंटे
साम्पातिक काल	23:30:53 घंटे
सूर्योदय	06:07:17 घंटे
सूर्यास्त	18:55:58 घंटे
दिनमान	12:48:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	23:19:46 कर्क
लग्न के अंश	07:00:44 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	धृति
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दो-द्रोणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:00:44	330:30:47	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			कर्क	23:19:46	00:57:32	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			मीन	21:00:02	13:09:56	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	10:05:37	00:35:18	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
बुध			सिंह	08:40:51	01:44:54	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			तुला	09:27:29	00:06:58	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	00:48:47	01:12:58	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
शनि			कन्या	24:03:44	00:04:43	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	19:13:09	00:03:53	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	19:13:09	00:03:53	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष			वृश्चि	06:57:59	00:00:02	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
नेप	व		धनु	00:51:18	00:00:49	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	00:52:30	00:01:12	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	28:27:29	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:35

लग्न-चलित

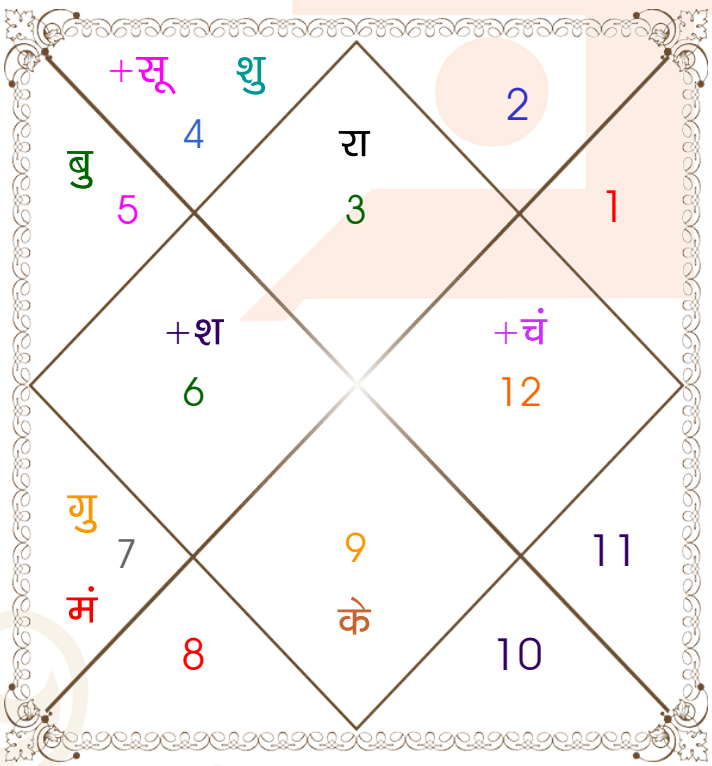

चन्द्र कुंडली

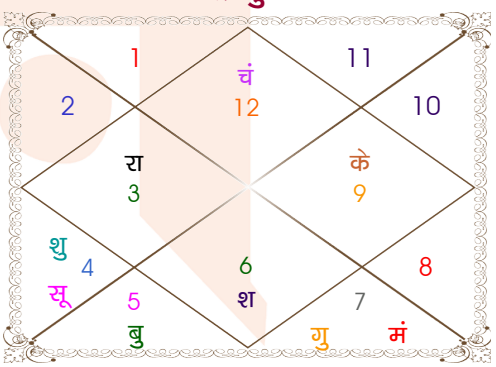

नवमांश कुंडली

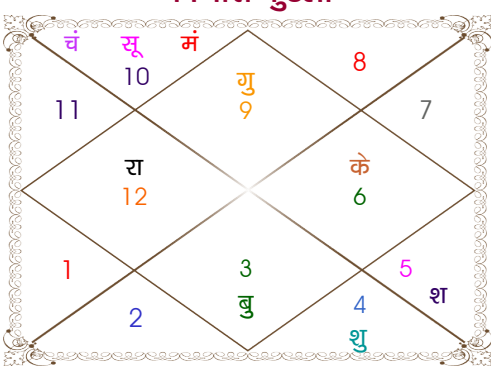

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 11 वर्ष 5 मास 21 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
10/08/1982		30/01/1994		29/01/2001		29/01/2021		30/01/2027	
30/01/1994		29/01/2001		29/01/2021		30/01/2027		29/01/2037	
	00/00/0000	केतु	28/06/1994	शुक्र	31/05/2004	सूर्य	19/05/2021	चंद्र	30/11/2027
	10/08/1982	शुक्र	28/08/1995	सूर्य	31/05/2005	चंद्र	18/11/2021	मंगल	30/06/2028
शुक्र	25/04/1983	सूर्य	03/01/1996	चंद्र	30/01/2007	मंगल	25/03/2022	राहु	30/12/2029
सूर्य	01/03/1984	चंद्र	03/08/1996	मंगल	31/03/2008	राहु	17/02/2023	गुरु	01/05/2031
चंद्र	31/07/1985	मंगल	30/12/1996	राहु	01/04/2011	गुरु	06/12/2023	शनि	30/11/2032
मंगल	28/07/1986	राहु	17/01/1998	गुरु	30/11/2013	शनि	17/11/2024	बुध	01/05/2034
राहु	14/02/1989	गुरु	24/12/1998	शनि	29/01/2017	बुध	24/09/2025	केतु	30/11/2034
गुरु	23/05/1991	शनि	02/02/2000	बुध	30/11/2019	केतु	30/01/2026	शुक्र	31/07/2036
शनि	30/01/1994	बुध	29/01/2001	केतु	29/01/2021	शुक्र	30/01/2027	सूर्य	29/01/2037

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
29/01/2037		30/01/2044		30/01/2062		30/01/2078		29/01/2097	
30/01/2044		30/01/2062		30/01/2078		29/01/2097		00/00/0000	
मंगल	28/06/2037	राहु	12/10/2046	गुरु	19/03/2064	शनि	01/02/2081	बुध	28/06/2099
राहु	16/07/2038	गुरु	07/03/2049	शनि	30/09/2066	बुध	13/10/2083	केतु	25/06/2100
गुरु	22/06/2039	शनि	12/01/2052	बुध	05/01/2069	केतु	20/11/2084	शुक्र	11/08/2102
शनि	31/07/2040	बुध	31/07/2054	केतु	12/12/2069	शुक्र	21/01/2088		00/00/0000
बुध	28/07/2041	केतु	19/08/2055	शुक्र	12/08/2072	सूर्य	02/01/2089		00/00/0000
केतु	24/12/2041	शुक्र	19/08/2058	सूर्य	31/05/2073	चंद्र	03/08/2090		00/00/0000
शुक्र	23/02/2043	सूर्य	13/07/2059	चंद्र	30/09/2074	मंगल	12/09/2091		00/00/0000
सूर्य	01/07/2043	चंद्र	11/01/2061	मंगल	06/09/2075	राहु	19/07/2094		00/00/0000
चंद्र	30/01/2044	मंगल	30/01/2062	राहु	30/01/2078	गुरु	29/01/2097		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 11 वर्ष 5 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करनी होगी। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होती है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलती रही तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगी। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगी।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहती हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाती हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकती हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेती हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेती हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहती हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करती हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही है। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेती हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करती हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करती हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहती हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देती हैं। निम्नांकित विन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।